भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5058
01 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

विषयः घरेलू खाद्य पाम तेल परिशोधकों का राजस्व

5058. श्री जिया उर रहमानः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या लगातार मांग और अधिक प्राप्तियों के कारण घरेलू खाद्य पाम तेल परिशोधकों के राजस्व में इस वित्त वर्ष में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है और क्या अनुकूल कीमतों तथा निरंतर शुल्क-मुक्त आयातों के कारण इसकी प्रचालनगत लाभप्रदता 40-50 आधारबिन्दु (बीपीएस) बढ़कर लगभग 3.5 प्रतिशत होने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा तिलहनों के घरेलू उत्पादन को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): घरेलू खाद्य पाम ऑयल परिशोधकों की राजस्व वृद्धि वैश्विक पाम ऑयल की कीमतों, घरेलू मांग और परिशोधन मार्जिन सहित कई कारकों से प्रभावित होती है। चूंकि देश में खाद्य पाम ऑयल की लगातार मांग रही है इसलिए राजस्व वृद्धि और प्रचालनगत लाभप्रदता में सुधार के विशिष्ट अनुमान मार्केट डायनेमिक्स और परिशोधक की प्रचालन दक्षता पर निर्भर करते हैं। हालांकि, घरेलू ऑयल पाम सेक्टर का समर्थन करने के लिए, सरकार ने 14 सितंबर, 2024 से कच्चे पाम ऑयल पर 27.5 प्रतिशत और रिफाइंड पाम ऑयल पर 35.75 प्रतिशत का प्रभावी आयात शुल्क शुरू किया है।

(ग): तिलहन के घरेलू उत्पादन को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एन.एम.ई.ओ.-ओ.एस.) शुरू किया है, जिसका उद्देश्य घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना है। खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयास करने के लिए 10,103.38 करोड़ रुपये (7,481.67 करोड़ रुपये की केंद्रीय हिस्सेदारी सहित) के परिव्यय के साथ इसे वर्ष 2024-25 से 2030-31 तक सात वर्ष की अवधि के लिए पूरे देश में लागू किया जाएगा। एन.एम.ई.ओ.-तिलहन का उद्देश्य रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और तिल जैसी प्रमुख प्राथमिक तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाना है, साथ ही कपास के बीज, राइस ब्रैन, कॉर्न ऑयल और वृक्ष जनित तेलों जैसे माध्यमिक स्रोतों से संग्रह और निष्कर्षण दक्षता को भी बढ़ाना है। मिशन का लक्ष्य प्राथमिक तिलहन उत्पादन को 39 मिलियन टन (वर्ष 2022-23) से बढ़ाकर वर्ष 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन करना है।

*****